माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर

पाठ्यक्रम (Syllabus) परीक्षा 2024

कक्षा–10

विषय : कला शिक्षा (83)

इस विषय के पाठ्यक्रम को दो भागों में विभक्त किया गया है–

(क) चित्रकला (ख) संगीत एवं नाट्य

समय : 3.15 घन्टे पूर्णांक 100

अधिगम क्षेत्र	अंकभार
कक्षान्तर्गत अधिगम कार्य	
(i) सैद्धांतिक (चित्रकला तथा संगीत एवं नाट्य)	35
(ii) प्रायोगिक (चित्रकला तथा संगीत एवं नाट्य)	45
(iii) प्रस्तुति कार्य (चित्रकला तथा संगीत एवं नाट्य)	20

खण्ड–क : चित्रकला (माह में दो कालांश) 50

1. **सैद्धान्तिक पक्ष** 15
   - (अ) संयोजन के सिद्धांत : सहयोग, सामंजस्य, संतुलन, प्रभाविता, प्रवाह प्रमाण का सामान्य ज्ञान एवं अंकन, अर्नुअंकन। 05
   - (ब) विभिन्न कला शैलियों का वर्गीकरण : जनजातीय कला, लोक कला, बाल कला, शास्त्रीय कला, आधुनिक कला 05
   - (स) राजस्थान की चित्रकला : राजस्थान की परम्परागत चित्रकला एवं आधुनिक समकालीन चित्रकला का अध्ययन। 05
2. **प्रायोगिक पक्ष** 25
   - (अ) आलंकारिक संयोजन : प्राकृतिक फूल पत्तों, पशु पक्षियों, मानवाकृतियों अथवा विभिन्न ज्यामितीय आकारों का अलंकारिक संयोजन 1/4 इम्पीरियल शीट पर जलरंग अथवा टेम्परा द्वारा पूर्ण करें। 10
   - (ब) राजस्थानी शैली के चित्रों की अनुकृति 1/4 शीट पर जलरंग अथवा टेम्परा द्वारा पूर्ण करें। 10
   - (स) पेंसिल स्केच– प्राकृतिक एवं मानव निर्मित वस्तुओं व मानवाकृतियों का सरल रेखांकन। 05
3. **प्रस्तुति कार्य (सबमिशन वर्क)** 10
   - (i) प्रायोगिक पक्ष (अ) के सत्र दौरान बनाये गये 4 कार्य। 03
   - (ii) प्रायोगिक पक्ष (ब) के सत्र दौरान बनाये गये 4 कार्य। 03
   - (iii) प्रायोगिक पक्ष (स) के सत्र दौरान बनाये गये 4 कार्य। 04

नोट– (i) सत्रीय प्रस्तुति कार्य 1/4 इम्पीरियल शीट पर बनाकर संकलित कर फाइल के रूप में प्रस्तुत किये जाये।

(ii) प्रायोगिक पक्ष से सम्बन्धित चित्र सामग्री का प्रकाशन पुस्तक में किया जायेगा।

खण्ड–ख : संगीत एवं नाट्य (माह में दो कालांश) 50

1.	**सैद्धान्तिक पक्ष**		20
	(अ)	सांगीतिक परिभाषा;– अलंकार, राग, थाट, लय, ताल।	05
	(ब)	गायन शैलियों का परिचय– सरगम गीत, तराना, ख्याल, भजन, गजल, कव्वाली	05
	(स)	भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों का परिचय– कत्थक, भरतनाटयम्, कथकली, मणिपुरी।	05
	(द)	रंगमंच एक परिचय– अभिव्यक्ति, संवाद, मनोरंजन	05
2.	**प्रायोगिक पक्ष**		20
	(अ)	राग यमन और राग भूपाली के आरोह, अवरोह, सरगम गीत व अलंकार अभ्यास, पाठ्यक्रम की गायन शैलियों का व्यावहारिक ज्ञान।	05
	(ब)	रस एवं भाव के अनुसार मुखमुद्रा प्रदर्शन व राजस्थान के किसी लोक नृत्य का प्रदर्शन।	05
	(स)	ताल कहरवा, दादरा व त्रिताल के ठेके पर हाथ से ताली लगाना।	05
	(द)	कक्षा–10 से सम्बन्धित किसी भी विषय की कहानी अथवा कविता का नाट्य मंचन।	05
3.	**प्रस्तुति कार्य (सबमिशन वर्क)**		10
	(अ)	10 न, अलंकार बनाकर लिखना।	02
	(ब)	नवरस आधारित मुखमुद्राओं व शास्त्रीय नृत्यों के चित्रों का संग्रह।	03
	(स)	भजन, गजल, कव्वाली के एक–एक प्रसिद्ध कलाकार का जीवन परिचय।	03
	(द)	मंच व्यवस्था एवं रूप सज्जा से सम्बन्धित विभिन्न चित्रों का संग्रह।	02

मूल्यांकन –

(1) विषय की सत्र पर्यन्त सम्पादित क्रियाकलापों की वार्षिक योजना बनायी जावे। क्रियाकलापों के एवं सामयिक परीक्षाओं के आधार पर सतत् आन्तरिक मूल्यांकन किया जायेगा। मूल्यांकन के लिए समय–समय पर विद्यार्थी द्वारा विद्यालय व समुदाय में होने वाले उत्सवों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा अन्य पर्वों आदि पर तात्कालिक आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यार्थियों द्वारा चित्रांकन, सजावट, नृत्य–नाटक व संगीत में दिये गये यथेष्ट व्यक्ति गत व सामूहिक योगदान का विवरण अध्यापक द्वारा रखा जावे। सैद्धान्तिक पक्ष के मूल्यांकन हेतु समय–समय पर सामयिक परीक्षा का आयोजन विभागीय निर्देशानुसार किया जावे।

(2) सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अंकों के योग के आधार पर प्रगति पत्र में निम्न प्रकार ग्रेडिंग अंकित करें।

अंकों का प्रतिशत	0-20	21-40	41-60	61-80	81-100
ग्रेड	E	D	C	B	A
विवरण	सामान्य से नीचे	सामान्य	अच्छा	बहुत अच्छा	उत्कृष्ट

(3) सम्पूर्ण मूल्यांकन माह जनवरी तक पूर्ण कर निर्देशानुसार ग्रेडिंग माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर को प्रेषित करें।

(4) छात्रों के मूल्यांकन कार्य का रिकॉर्ड रखा जावे। बोर्ड द्वारा नियुक्त अधिकारी उसकी जाँच कर सकता है।

निर्धारित पुस्तक :

कला कुंज : माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान, अजमेर।